सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024 (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि - 17/09/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 26

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/ Question Booklet No. & Barcode

413677

Sub : Vyakaran-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- **प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।**
- **प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।**

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or jf any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

26-◼

1. "ब्राह्मणस्य पुत्रं पन्थानं पृच्छति" इत्यत्र कस्य कारकत्वं नास्ति ?
(1) ब्राह्मणस्य ।
(2) पुत्रस्य ।
(3) पथः ।
(4) पृच्छायाः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' इति सूत्रे 'कर्तुः' इति पदे केन सूत्रेण षष्ठी ?
(1) कर्तृकर्मणोः कृति ।
(2) उभयप्राप्तौ कर्मणि ।
(3) क्तस्य च वर्तमाने ।
(4) षष्ठी शेषे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. संयोगानुकूलव्यापाराभावानुकूलव्यापारः कः ?
(1) वारयतेरर्थः ।
(2) बन्ध्–धात्वर्थः ।
(3) भुज्–धात्वर्थः ।
(4) गमयतेरर्थः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'कर्त्रा स्वनिष्ठव्यापार प्रयोज्य फलेन सम्बन्धुमिष्यमाणम्' इति कथनं केन सूत्रेण वर्तते ?
(1) अनभिहिते
(2) स्वतन्त्रः कर्ता
(3) अकथितं च
(4) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. धातोः पञ्चार्थेष्वयमर्थो न सङ्गृहीतो भवति –
(1) क्रिया ।
(2) कालः ।
(3) कारकम् ।
(4) सम्बन्धः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. "अभिहिते कर्मणि" का विभक्तिः स्यात् ?
(1) द्वितीया
(2) प्रथमा
(3) तृतीया
(4) सप्तमी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. 'गौः इत्यत्र शब्दे नीलः कृष्णः कपिलः इत्यादयः सन्ति –
(1) द्रव्याणि
(2) क्रियाः
(3) गुणाः
(4) आकृतयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. भिन्नेष्वभिन्नं छिन्नेष्वछिन्नं सामान्यभूतं तत् किम् ?
(1) गुणः
(2) क्रिया
(3) आकृतिः
(4) द्रव्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. 'यज्ञगतेन पुरुषेण यथायथं मन्त्राः विपरिणमयितव्याः' इत्येतद् अस्ति वर्णितम् –
(1) रक्षाप्रयोजने
(2) असंदेहप्रयोजने
(3) ऊहप्रयोजने
(4) अविद्वांसः प्रयोजने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. 'प्रधानं च षट्स्वङ्गेषु व्याकरणम्' इति वाक्यमुपलभ्यते –
(1) ऊहापदार्थनिरूपणप्रसङ्गे
(2) रक्षापदार्थनिरूपणप्रसङ्गे
(3) लघुपदार्थनिरूपणप्रसङ्गे
(4) आगमपदार्थनिरूपणप्रसङ्गे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. नागेशमते द्वेष्यकर्मण उदाहरणमस्ति –
(1) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति ।
(2) हरिं भजति ।
(3) चौरान् पश्यति ।
(4) पयसा ओदनं भुङ्क्ते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. कस्मिन् आनुषङ्गिकप्रयोजने 'यदुदुम्बरवर्णानां' इति प्रमत्तगीतः कथितः ?

(1) उत त्वः ।

(2) यो वा इमाम् ।

(3) यस्तु प्रयुङ्क्ते ।

(4) अविद्वांसः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. सिद्धः शब्दः अर्थः-सम्बन्धश्चेति कथं ज्ञायते –

(1) लोकतः

(2) व्याकरणतः

(3) मीमांसातः

(4) शब्दकोशतः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. भाष्यरीत्या 'चत्वारिशृङ्गा' इत्यादियमन्त्रे 'द्वे शीर्षे' इत्यनेन किं गृह्यते ?

(1) नामाख्याते

(2) शब्दात्मानौ

(3) निपातोपसर्गौ

(4) कण्ठशिरसि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. "दशम्यां पुत्रस्य" इत्यस्मिन् प्रयोजने निम्नेषु कतमं वाक्यं दृष्टिपथमायाति –

(1) सत्यदेवाः स्यामेत्यध्येयं व्याकरणम् ।

(2) कृतं कुर्यान्न तद्धितम् ।

(3) प्रयाजाः सविभक्तिकाः कार्याः ।

(4) प्रायश्चितीयां सारस्वतीमिष्टिं निर्वपेद् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. शब्दानुशासनस्य आनुषङ्गिक प्रयोजनेषु नास्ति –

(1) यो वा इमाम्

(2) यद् धीतम्

(3) एकादश्यां पुत्रस्य

(4) विभक्तिं कुर्वन्ति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. पयोव्रतो ब्राह्मणश्चेदामिक्षाव्रतः कः ?

(1) राजन्यः

(2) वैश्यः

(3) शूद्रः

(4) राजर्षिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. आहिताग्निरपशब्दं प्रयुज्य प्रायश्चित्तीयां कामिष्टिं निर्वपेत् –

(1) आग्नीमिष्टिम्

(2) माहेश्वरीमिष्टिम्

(3) ब्राह्मीमिष्टिम्

(4) सारस्वतीमिष्टिम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. 'सुदेवो असि' इति मन्त्रे 'सप्त सिन्धवः' इत्यनेन महाभाष्ये किं गृहीतम् ?

(1) सप्तसमुद्राः

(2) सप्तर्षयः

(3) सप्तलवणाः

(4) सप्तविभक्तयः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. कूपखानकन्यायः कस्मिन् प्रसङ्गे प्रदत्तः ?

(1) शब्दस्वरूपप्रसङ्गे ।

(2) शब्दस्य नित्यानित्यत्वप्रसङ्गे ।

(3) शब्दस्य ज्ञाने प्रयोगे वा धर्माधर्मविचारे ।

(4) व्याकरणशास्त्रस्य प्रयोजनविचारप्रसङ्गे ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. "वर्णानामानुपूर्व्येण सन्निवेशः" किमुच्यते ?

(1) वृत्तिः ।

(2) शास्त्र प्रवृत्तिः ।

(3) समवायः ।

(4) उपदेशः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. कतमं वाचो मनुष्या वदन्ति ?

(1) तृतीयम्

(2) तुरीयम्

(3) पञ्चमम्

(4) नवमम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

[redacted]

23. 'यो वा इमां पदशः स्वरशोऽक्षरशश्च वाचं विदधाति स आर्त्विजीनः भवति' इत्यत्र 'आर्त्विजीनः' शब्देन कः अभिप्रायः ?
(1) ऋत्विक् कर्मयोग्यः
(2) वैयाकरणः
(3) उपदेष्टा
(4) अध्यापकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. "गर्गादिविदादिपाठात्" केषां निवृत्तिः ?
(1) समुदायानाम्
(2) वर्णानाम्
(3) संवृतादीनाम्
(4) अनुबन्धानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. संवृतकलादयः सन्ति –
(1) व्यञ्जनगुणाः ।
(2) व्यञ्जनदोषाः ।
(3) स्वरगुणाः ।
(4) स्वरदोषाः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. संवृतादिस्वरदोषेष्विदं नास्ति –
(1) ध्मातः
(2) उपगीतः
(3) प्रगीतः
(4) संवीतः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. "श्रीसहितो लक्ष्मीरमणस्तं नौमि" अत्र कः समासः ?
(1) बहुव्रीहिः
(2) कर्मधारयः
(3) मध्यमपदलोपी समासः
(4) अव्ययीभावः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. यदि सूत्रं नाम व्याकरणं तदानीं पूर्वपक्षरूपेण कः दोषः ?
(1) शब्दाप्रतिपत्तिः प्राप्नोति ।
(2) शब्देल्युऽर्थो नोपपद्यते ।
(3) भवे च तद्धितो नोपपद्यते ।
(4) प्रोक्तादयश्च तद्धिता नोपपद्यन्ते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. "यावत्सिद्धमसिद्धं वा" इति वर्तते –
(1) क्रियालक्षणसन्दर्भे ।
(2) फललक्षणसन्दर्भे ।
(3) धातुलक्षणसन्दर्भे ।
(4) एकवाक्यसन्दर्भे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. असत्त्वभूतो भावः केन पदेनाभिधीयते –
(1) सुप्पदेन
(2) तिङ्पदेन
(3) समासपदेन
(4) तद्धितपदेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. वैयाकरणमते फलाश्रय–व्यापाराश्रययोराख्यातार्थत्वे किं मानम् ?
(1) कर्तरि कृत् ।
(2) लः कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्यः ।
(3) कर्तरि कर्मव्यतिहारे ।
(4) स्वरितञितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. व्यापारमुख्यविशेष्यकशाब्दबोधः कस्य मतम् ?
(1) नैयायिकमतम्
(2) वेदान्ति–मतम्
(3) वैयाकरण–मतम्
(4) बौद्धमतम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. 'धातुः फलवाचक एवं व्यापारस्तु तिङ्वाच्य' इत्येवं सिद्धान्तं स्वीकुर्वन्ति –
(1) मीमांसकाः
(2) वैयाकरणाः
(3) बौद्धाः
(4) नैयायिकाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

413677

34. 'सोमेन यजेत, स्तोकं पचति' इत्यादिषु मीमांसकमते केन सम्बन्धेन शाब्दबोधः ?

(1) अभेदसम्बन्धेन

(2) वाच्यवाचकसम्बन्धेन

(3) निरूपकत्वसम्बन्धेन

(4) समवायसम्बन्धेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. भूषणकृन्मते कालः कुत्र विशेषणम् ?

(1) कर्तरि ।

(2) व्यापारे ।

(3) धातौ ।

(4) कर्मणि ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. असमीचीनं कथनं चिनुत –

(1) सङ्ख्या कर्तृप्रत्ययस्थले कर्मणि विशेषणम्

(2) तिङर्थः – कर्तृकर्मसङ्ख्याकालाः

(3) सङ्ख्या कर्मप्रत्ययस्थले कर्मणि विशेषणम्

(4) आख्यातार्थसङ्ख्या – प्रकारकबोधं प्रति आख्यातजन्य कर्तृकर्मोपस्थितिर्हेतुः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. **कथनम्-1 :** बोधकतारूपाशक्तिःतिङ्क्ष्वेवास्ति – इति वैयाकरणमतम् ।

कथनम्-2 : बोधकतारूपशक्तिर्लकारेष्वेवास्ति – इत्यपि वैयाकरणमतम् ।

(1) कथनम्-1 समीचीनम्, कथनम्-2 असमीचीनम् ।

(2) कथनम्-1 असमीचीनम्, कथनम्-2 समीचीनम् ।

(3) कथनम्-1 समीचीनम्, कथनम्-2 समीचीनम् ।

(4) कथनम्-1 असमीचीनम्, कथनम्-2 असमीचीनम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. आख्यातं भवति –

(1) सत्त्वप्रधानम्

(2) कर्तृप्रधानम्

(3) भावप्रधानम्

(4) कर्मप्रधानम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. "कृदभिहितो भावो द्रव्यवत् प्रकाशते" इत्येतद् कथनमस्ति –

(1) न्यायशास्त्रस्य

(2) काव्यप्रकाशस्य

(3) महाभाष्यस्य

(4) मीमांसायाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. 'देवदत्तो जानाति, इच्छति' इत्यादौ व्यापारः कः ?

(1) उद्देश्यता

(2) विधेयता

(3) आश्रयता

(4) जनकता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. पाकादिघञन्तेषु पदेषु प्रकृत्या धातूपस्थाप्या भवति –

(1) साध्यावस्था

(2) साधनावस्था

(3) साध्यसाधनावस्था

(4) सिद्धावस्था

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. 'पश्य मृगो धावती' ति एकवाक्यताप्रसङ्गः वैयाकरणभूषणसारे कुत्र वर्णितः ?

(1) फलपदार्थनिरूपणावसरे ।

(2) प्रथमान्तार्थस्य प्राधान्यनिरूपणावसरे ।

(3) अरुणाधिकरणन्यायनिरूपणप्रसङ्गे ।

(4) 'यदि पक्षेऽपि वत्यर्थः' इति कारिकाया व्याख्यानावसरे ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. त्यजि–गम्योः पर्यापतापत्तिः कदा ?
(1) प्रथमान्तार्थमुख्यविशेष्यकबोधे।
(2) धातूनां फलावाचकत्वे ।
(3) धातूनां फलवाचकत्वे ।
(4) निपातानां वाचकत्वे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. व्यापाराश्रयः भवति –
(1) कर्त्ता
(2) कर्म
(3) धातुः
(4) विशेषणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. "आख्यातशब्दे भागाभ्यां साध्यसाधनरूपता" इत्यत्र 'भागाभ्याम्' इति पदस्य कोऽर्थः ?
(1) प्रकृतिप्रत्ययभागाभ्याम् ।
(2) तिङन्ताभ्याम् ।
(3) फलव्यापाराभ्याम् ।
(4) सङ्ख्याकालाभ्याम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. सिद्धभावस्तु यस्तस्याः स भवति
(1) प्रकृतिनिबन्धनः ।
(2) धातुरूपनिबन्धनः ।
(3) घञादिनिबन्धनः ।
(4) शक्त्यादिनिबन्धनः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. ईश्वरसङ्केत एव शक्तिरिति कस्य मतम् ?
(1) वैयाकरणस्य ।
(2) नैयायिकस्य ।
(3) मीमांसकस्य ।
(4) साहित्यिकस्य ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. 'कृधातोर्यत्नमात्रम् अर्थः' इति मतं वर्तते –
(1) नैयायिकानाम्
(2) मीमांसकानाम्
(3) भट्टोजिदीक्षितस्य
(4) कौण्डभट्टस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. "इतरेतराध्यासमूलको" यस्सम्बन्धस्स कः ?
(1) तादात्म्यसम्बन्धः ।
(2) कार्यकारणसम्बन्धः ।
(3) स्वस्वामिभावसम्बन्धः ।
(4) अनुकार्यानुकारकसम्बन्धः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. 'असाधुशब्देन साधुस्मरणद्वारा अर्थबोध' इति केषां मतम् ?
(1) नागेशभट्टस्य ।
(2) कौण्डभट्टस्य ।
(3) तार्किकानाम् ।
(4) मीमांसकानाम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. 'पदपदार्थयोः सम्बन्धान्तरमेव शक्तिर्वाच्यवाचक – भावापरपर्याया' इति मतमस्ति –
(1) नैयायिकानाम्
(2) मीमांसकानाम्
(3) नागेशस्य
(4) कौण्डभट्टस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. 'सहृदयहृदयमात्रवेद्यात्वम्' इति कस्या वृत्तेर्लक्षणम् ?
(1) प्रसिद्धाशक्तेः
(2) लक्षणाया
(3) अप्रसिद्धाशक्तेः
(4) व्यञ्जनायाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यो भवति –
(1) विकल्पः
(2) संकल्पः
(3) निद्रा
(4) स्मृतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. परमलघुमञ्जूषायां लक्षितलक्षणाया उदाहरणम् –
(1) गङ्गायां घोषः
(2) द्विरेफः
(3) काकेभ्यो दधि रक्ष्यताम्
(4) गभीरायां नद्यां घोषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. प्रकृतान्वयबोधाननुकूलपदाव्यवधानं किम् ?
(1) योग्यता
(2) आकाङ्क्षा
(3) आसत्तिः
(4) अर्थापत्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. वैयाकरणानां मते लक्षणाबीजं किम् ?
(1) तात्पर्यानुपपत्तिप्रतिसन्धानम् ।
(2) भेदप्रतियोगित्वम् ।
(3) प्रसिद्धबोधप्रतिहतम् ।
(4) अप्रतिहतानुपपत्तिः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. स्वनिरूपितसादृश्याधिकरणत्वसम्बन्धेन शक्यसम्बन्ध्यर्थप्रतिपादिका अस्ति –
(1) व्यञ्जना
(2) शक्तिः
(3) शुद्धा लक्षणा
(4) गौणी लक्षणा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. निरूढलक्षणाया उदाहरणमस्ति –
(1) गङ्गायां घोषः ।
(2) गौर्वाहीकः ।
(3) कुन्ताः प्रविशन्ति ।
(4) त्वचा ज्ञातम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. 'यष्टीः प्रवेशय' इति लक्षणायाः कस्य निमित्तस्योदाहरणम् ?
(1) तादर्थ्यस्य
(2) तत्साहचर्यस्य
(3) तत्सामीप्यस्य
(4) ताद्धर्म्यस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. स्वशक्यसम्बन्धो लक्षणा इति कस्य मतम् ?
(1) नागेशस्य ।
(2) तार्किकाम् ।
(3) मीमांसकानाम् ।
(4) भट्टोजिदीक्षितस्य ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. नागेशमते 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र गङ्गापदेन तीरस्य बोधः कथं भवति ?
(1) अप्रसिद्धशक्त्या
(2) प्रसिद्धशक्त्या
(3) लक्षणया
(4) व्यञ्जनया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. व्यञ्जनावृत्तिं नैव स्वीकुर्वन्ति –
(1) नागेशभट्टः ।
(2) वैद्यनाथपायगुण्डे
(3) तार्किकाः ।
(4) मम्मटभट्टाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. वाक्यसमयग्राहिका का ?
(1) योग्यता
(2) आसत्तिः
(3) प्रतिपत्तिः
(4) आकाङ्क्षा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. परमलघुमंजूषारीत्या 'लक्षणयैव गतार्था व्यञ्जनेति न सा स्वीकार्या' – इति के वदन्ति ?
(1) नैयायिकाः
(2) वेदान्तिनः
(3) वैयाकरणाः
(4) मीमांसकाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. व्यञ्जनावृत्तिलक्षणनिरूपणप्रसङ्गे इदं विशेषणम् असद् वर्तते ?
(1) मुख्यार्थबाधनिरपेक्षबोधजनकः ।
(2) मुख्यार्थसम्बद्धासम्बद्धसाधारणः ।
(3) आहार्यारोपविषयकः ।
(4) वक्त्रादिवैशिष्ट्यज्ञानप्रतिभाद्युद्बुद्धः संस्कारविशेषः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. "सति तात्पर्ये सर्वे सर्वार्थवाचकाः" इति मतं कस्य वर्तते ?
(1) शाब्दिकानाम्
(2) तार्किकाणाम्
(3) मीमांसकानाम्
(4) वैशेषिकानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. शब्दब्रह्मणः वैशिष्ट्यम् नास्ति –
(1) अनादिः
(2) निधनम्
(3) अक्षरम्
(4) अर्थभावेन विवर्तते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. "यदाम्नातम्" अत्र आम्नातस्य कोऽर्थः ?
(1) वेदेषु पठितम् ।
(2) पुराणेषु पठितम् ।
(3) शास्त्रेषु पठितम्
(4) मुनिभिर्गीतम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. भोक्तृ–भोक्तव्य–भोगरूपेण चस्थितिः कस्य ?
(1) लोकव्यवहारस्य ।
(2) लोकस्य ।
(3) शब्दब्रह्मणः ।
(4) वेदानाम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. 'प्राप्त्युपायोऽनुकारश्च' इतिकारिकास्थस्य 'अनुकार' इत्यस्य कोऽर्थः ?
(1) कालशक्तिः ।
(2) अनुकरणम् ।
(3) ब्रह्मराशिः ।
(4) प्रवादः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. परस्परान्वय प्रयोजक धर्मवत्त्वम् –
(1) शक्तित्वम्
(2) आकाङ्क्षा
(3) व्यञ्जना
(4) योग्यता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. कर्मण्येकत्राङ्गता कस्य ?
(1) वेदस्य
(2) स्फोटस्य
(3) कालशक्तेः
(4) भावभेदस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. "दृष्टादृष्टप्रयोजनाः" काः ?
(1) श्रुतयः ।
(2) स्मृतयः ।
(3) पन्थानः ।
(4) कल्पाः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. 'अर्थस्य स्तुत्यर्थस्य निन्दार्थस्य वा वादः' इत्येतद् अस्ति लक्षणम् –
(1) प्रवादस्य
(2) अनर्थवादस्य
(3) अर्थवादस्य
(4) स्मृतीनाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. सर्ववादाविरोधिनी विद्या का ?
(1) काव्यविद्या ।
(2) स्वर्गप्राप्तिरूपा विद्या ।
(3) प्रणवरूपा विद्या ।
(4) व्याकरणविद्या ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. एकत्विनां द्वैतिनां च प्रवादा बहुधा मताः । अत्र 'एकत्विनां' इति पदेन के सङ्केतिताः ?
(1) अद्वैतिनः
(2) चार्वाकाः
(3) जैनाः
(4) बौद्धाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. एकोऽपि वेदो महर्षिभिः क इव पृथक्–पृथक् समाम्नातः ?
(1) प्राप्त्युपाय इव
(2) अनुकार इव
(3) अनेकवर्त्मेव
(4) एकवर्त्मेव
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

413677

78. 'व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्तिर्नहि सन्देहादलक्षणम्' इत्यत्र 'प्रतिपत्तिः' शब्दस्य कोऽर्थः ?
(1) ज्ञानम्
(2) निश्चयः
(3) असन्देहः
(4) प्रत्याख्यानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. 'यथोद्देशं संज्ञापरिभाषम्' इत्यत्र उद्देशपदस्यार्थः अस्ति –
(1) उद्देश्यम्
(2) उपदेशदेशः
(3) उपदेशप्रकारः
(4) प्रवृत्तिकालः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. 'अनेकान्ता अनुबन्धा' इत्यत्र अनेकान्तशब्दस्य कोऽर्थः ?
(1) अनवयवः
(2) अनेकप्रकारकः
(3) अनेकस्वरूपः
(4) अनेकस्थानः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. 'अधिकारो नाम त्रिप्रकारः । कश्चिदेकदेशस्थः सर्वंशास्त्रमभिज्वलयति' इत्यत्र अधिकारशब्देन किम् उच्यते ?
(1) परिभाषा ।
(2) नियमः ।
(3) अतिदेशः ।
(4) विधिः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. परिभाषेन्दुशेखरस्य प्रथमप्रकरणस्य नामास्ति –
(1) शास्त्रशेषम्
(2) बाधबीजम्
(3) शास्त्रत्वसंपादनोद्देशम्
(4) शास्त्रप्रकरणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

413677

83. 'कार्यकालम्' इति शब्दस्य व्युत्पत्तिमध्ये 'काल्यते' इत्यस्य कोऽर्थः ?
(1) पुनः विचार्यते
(2) दूरं निवार्यते
(3) स्वसन्निधिं प्राप्यते
(4) स्वानुभूतिः कार्यते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. 'नानुबन्धकृतमनेकाल्त्वम्' इति परिभाषायां किं ज्ञापकम् ?
(1) 'तस्य लोपः' इत्यत्र तस्येति ग्रहणम् ।
(2) अर्वणस्तृसावनञेति सूत्रम् ।
(3) अनेकाल्शित्सर्वस्येति सूत्रे शिद्ग्रहणम् ।
(4) 'उपदेशेऽजनुनासिक इत्' इति सूत्रे उपदेशग्रहणम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. **कथनम्-I :** नागेशमते परिभाषासूत्राणां यथोद्देशपक्षे स्वदेशत्यागो न भवति
कथनम्-II : नागेशमते परिभाषासूत्राणां कार्यकालपक्षे स्वदेशत्यागो भवति
(1) कथनम्-I समीचीनम्, कथनम्-II असमीचीनम्
(2) कथनम्-I समीचीनम्, कथनम्-II समीचीनम्
(3) कथनम्-I असमीचीनम्, कथनम्-II असमीचीनम्
(4) कथनम्-I असमीचीनम्, कथनम्-II समीचीनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. 'आकडाराधिकारस्थभपदसंज्ञाविषये कः पक्षः सिद्धान्तभूतः ?
(1) अनेकान्तपक्षः ।
(2) यथोद्देशपक्षः ।
(3) कार्यकालपक्षः ।
(4) विधिपक्षः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. डादिविषये सर्वादेशत्वं कथं सिद्ध्यति ?
(1) निपातनत्वात्
(2) 'नानुबन्धकृतमनेकाल्त्वम्' इति परिभाषया
(3) शित्त्वात्
(4) आनुपूर्व्यात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. 'एक योगनिर्दिष्टानां सह वा प्रवृत्तिः सह वा निवृत्तिः' इत्यस्यां परिभाषायां 'वा' शब्देन अभिप्रायः अस्ति –
(1) एव
(2) विकल्पः
(3) बहुलम्
(4) न
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. 'यदागमास्तद्गुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते' इति परिभाषाया अनित्यत्वे किं मानम् ?
(1) ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम् ।
(2) आने मुक् ।
(3) ङः सि धुट् ।
(4) मिदचोऽन्त्यात्परः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. 'लोकेऽपि देवदत्तस्याङ्गाधिक्ये तद्विशिष्टस्यैव देवदत्तग्रहणेन ग्रहणं दृश्यते' इति न्यायः कस्याः परिभाषायाः प्रसङ्गे उदाहृतः –
(1) 'यदागमास्तद्गुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते' इत्यस्याः
(2) 'एकदेशविकृतमनन्यवत्' इत्यस्याः
(3) 'निर्दिश्यमानस्यादेशा भवन्ति' इत्यस्याः
(4) 'प्रत्ययग्रहणे यस्मात् स विहितस्तदादेस्तदन्तस्य ग्रहणम्' इत्यस्याः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. आम्रेडितशब्देन ग्रहणं भवति –
(1) कृत्रिमस्यैव ।
(2) अकृत्रिमस्यैव ।
(3) कृत्रिमाकृत्रिमयोः ।
(4) कृत्रिमाकृत्रिमभिन्नसर्वेषाम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. विशिष्टरूपोपादाने, उपस्थितार्थस्य शब्दं प्रति विशेषणतयान्वयसम्भवे त्यागे मानाभावः कस्याः परिभाषाया मूलम् ?
(1) व्यपदेशिवदेकस्मिन्
(2) भाव्यमानेन सवर्णानां ग्रहणं न
(3) वर्णाश्रये नास्ति प्रत्ययलक्षणम्
(4) अर्थवद्ग्रहणेनानर्थकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. "अभिव्यक्तपदार्था ये स्वतन्त्रा लोकविश्रुताः" कारिकेयं कस्याः परिभाषाया मूलिका ?
(1) 'संज्ञाविधौ प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणं नास्ति' इत्यस्याः ।
(2) 'एकयोगनिर्दिष्टानां सह वा प्रवृत्तिः सह वा निवृत्तिः' इत्यस्याः ।
(3) 'वर्णाश्रये नास्ति प्रत्ययलक्षणम्' इत्यस्याः ।
(4) 'गौणमुख्ययोर्मुख्ये कार्यसम्प्रत्ययः' इत्यस्याः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. "भाव्यमानोऽप्युकारः सवर्णान् गृह्णाति" इति परिभाषायाः किं ज्ञापकम् ?
(1) 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' अण्ग्रहणम् ।
(2) दिव उत्, ऋत उत् इति तपरकरणम् ।
(3) तित्स्वरितमिति सूत्रम् ।
(4) 'अदेङ् गुणः' इत्यत्र तपरकरणम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. 'अनि न स्मन् ग्रहणान्यर्थवता चानर्थकेन च तदन्तविधिं प्रयोजयन्ति' इति परिभाषा कस्याः परिभाषायाः अपवादरूपा अस्ति ?
(1) 'अर्थवद्ग्रहणेनानर्थकस्य ग्रहणम्' इत्यस्याः
(2) 'गौणमुख्ययोः मुख्ये कार्यसम्प्रत्ययः' इत्यस्याः
(3) 'उभयगतिरिह भवति' इत्यस्याः
(4) 'यदागमास्तद्गुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते' इत्यस्याः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. एतासु वाचनिकी परिभाषास्ति –
(1) ग्रहणवता प्रातिपदिकेन तदन्तविधिर्नास्ति
(2) उभयगतिरिह भवति
(3) स्त्रीप्रत्यये चानुपसर्जने न
(4) एकयोगनिर्दिष्टानां सह वा प्रवृत्तिः सह वा निवृत्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. गर्गादिभ्यो विहितो यञ्, परमगर्गादिभ्यो कया परिभाषया न भवति –
(1) 'यस्मिन्विधिस्तदादावल्ग्रहणे' इत्यनया
(2) 'व्यपदेशिवद्भावोऽप्रातिपदिकेन' इत्यनया
(3) 'प्रकृतिवदनुकरणं भवति' इत्यनया
(4) 'ग्रहणवता प्रातिपदिकेन तदन्तविधिर्नास्ति' इत्यनया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. 'भवति' इत्यत्र अङ्गत्वानापत्तौ "भू" धातोः अङ्गत्वविधायिका परिभाषा अस्ति –
(1) व्यपदेशिवद्भावोऽप्रातिपदिकेन
(2) व्यपदेशिवदेकस्मिन्
(3) यस्मिन्विधिस्तदादावल्ग्रहणे
(4) प्रकृतिवदनुकरणं भवति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. 'व्यपदेशिवदेकस्मिन्' इति परिभाषासन्दर्भे अपदेशशब्दस्यार्थोऽस्ति ?
(1) उपदेशः ।
(2) उद्देशः ।
(3) मुख्यव्यवहारः ।
(4) असहायः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. ननु 'अतःकृकमी' त्यत्र कमिग्रहणेन सिद्धे कंसग्रहणं व्यर्थमत आह –
(1) उणादयोऽव्युत्पन्नानि प्रातिपदिकानि ।
(2) वर्णाश्रये नास्ति प्रत्ययलक्षणम् ।
(3) पदाङ्गाधिकारे तस्य च तदन्तस्य च ।
(4) उत्तरपदाधिकारे प्रत्ययग्रहणे न तदन्तग्रहणम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

413677

101. सर्वे विधयः कुत्र विकल्प्यन्ते ?
(1) लोके ।
(2) छन्दसि ।
(3) उणादिषु ।
(4) कृदन्ते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. व्याकरणस्य मूलस्रोतसंकेताः कुत्र उपलभ्यन्ते –
(1) अष्टाध्याय्याम्
(2) महाभाष्ये
(3) उपनिषत्सु
(4) ऋग्वेदे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. अष्टाध्याय्यां पाणिनिः कति व्याकरण–कर्तृन्नुल्लिलेख ?
(1) पञ्च
(2) दश
(3) द्वादश
(4) अष्टादश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. वोपदेवेन कविकल्पद्रुमे उल्लिखितेषु अष्टसु वैयाकरणेषु न स्तः –
(1) इन्द्रः, चन्द्रः
(2) काशकृत्स्नः, आपिशली
(3) शाकटायनः पाणिनिः
(4) प्रजापतिः, बृहस्पतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. अयमाचार्यः पाणिनेः पूर्ववर्ती न वर्तते –
(1) भागुरिः ।
(2) वोपदेवः ।
(3) भरद्वाजः ।
(4) चारायणः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. 'रामौ' इत्यत्र वृद्धौ कृतायां कार्यकालपक्षे कया परिभाषया पदत्वम् –
(1) 'एकदेशविकृतमनन्यवद्' इत्यनया
(2) 'प्रकृतिवदनुकरणं भवति' इत्यनया
(3) 'व्यपदेशिवदेकस्मिन्' इत्यनया
(4) 'अर्थवद्ग्रहणेनानर्थकस्य' इत्यनया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. पाणिनेः पूर्वजानां निवासभूमिरासीत् –
(1) पाटलिपुत्रः
(2) शलातुरः
(3) उत्सः
(4) गोनर्दः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. 'व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिः' ग्रन्थस्य रचयिता कः ?
(1) नागेशभट्टः
(2) आचार्य – विश्वेश्वर पाण्डेयः
(3) भट्टोजिदीक्षितः
(4) हरिदीक्षितः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. भट्टोजिदीक्षित प्रणीतः वृत्तिग्रन्थः कः ?
(1) शब्दकौस्तुभः
(2) काशिकावृत्तिः
(3) भाषावृत्तिः
(4) मध्यसिद्धान्तकौमुदी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. महाभाष्यकारस्य पतञ्जलेः कालनिर्धारणं कुर्वन् पं. युधिष्ठिरमीमांसकः तस्य अन्तिमां सीमां स्वीकरोति –
(1) 2000 विक्रमपूर्वः
(2) 1200 विक्रमपूर्वः
(3) 150 विक्रमपूर्वः
(4) 1500 विक्रमपूर्वः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. डॉ. वासुदेव शरणाग्रवालः "पाणिनिकालीन भारत वर्षे" पाणिनेः समयं किममन्यत ?
(1) ई.पू. 200
(2) ई.पू. 500
(3) ई.पू. 300
(4) ई.पू. 600
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. महर्षिपाणिनेः नामान्तरं नास्ति –
(1) मणि पुत्रः
(2) आहिकः
(3) शालङ्किः
(4) अहिपतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. नागेशभट्टस्य पितुः नाम अस्ति –
(1) कृष्णभट्टः
(2) शिवभट्टः
(3) लक्ष्मीधरः
(4) चन्द्रकान्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. 'वैयाकरणसिद्धान्तकारिका' ग्रन्थस्य प्रणेता कः ?
(1) कौण्डभट्टः
(2) भट्टोजिदीक्षितः
(3) नागेशभट्टः
(4) भर्तृहरिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. भर्तृहरेर्वाक्यपदीयस्य टीकाकर्तृषु अन्यतमः आचार्यः कः ?
(1) पुण्यराजः
(2) कौण्डभट्टः
(3) मुकुलभट्टः
(4) विश्वेश्वरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. पाणिनीयमिताक्षरावृत्तिम् को विरचितवान् ?
(1) चन्द्रगोमी
(2) क्षपणकः
(3) अन्नम्भट्टः
(4) इन्द्रगोमी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. जाम्बवतीविजयकाव्यं कस्य रचना ?
(1) कात्यायनस्य
(2) भट्टोजिदीक्षितस्य
(3) नागेशभट्टस्य
(4) पाणिनेः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

A13677

118. हकारस्य 'अश्' प्रत्याहारग्रहणे किं फलम् ?
(1) 'देवो हसति' इत्यत्र उत्वम्
(2) 'देवा हसन्ति' इत्यत्र यत्वम्
(3) 'अर्हेण' इत्यत्र णत्वम्
(4) 'लिलिहिढ्वे' इत्यत्र ढत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. दीक्षितमते एषु कः उपायः अन्योन्याश्रयदोष-परिहारार्थं न्याय्यः ?
(1) 'हल्' इत्येकदेशस्यैवावृत्तिः ।
(2) 'हकार' मात्रस्यावृत्तिः ।
(3) सम्पूर्णस्य 'हलन्त्यम्' इति सूत्रस्यावृत्तिः ।
(4) अन्त्यस्यैवावृत्तिः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. दीक्षितमते 'उपदेश' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे घञ्-प्रत्ययो वर्तते ?
(1) भावे ।
(2) करणे ।
(3) अकर्तरि कर्मकारके ।
(4) अधिकरणे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. "तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्" इति सूत्रे आस्ये भवमास्यम् इत्यत्र यत् प्रत्ययो भवति –
(1) "अचो यत्" सूत्रेण
(2) "उगवादिभ्यो यत्" सूत्रेण
(3) "शाखादिभ्यो यत्" सूत्रेण
(4) "शरीरावयवाद् यत्" सूत्रेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. प्रौढमनोरमाया मङ्गलाचरणे 'परम्' इति विशेषणं कस्य ?
(1) गुरोः
(2) सिद्धान्तकौमुद्याः
(3) ब्रह्मणः
(4) गिरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. भूवादिसूत्रस्थ – भूप्रभृतयो वा सदृशः इति विवरणे केन रूपेण सादृश्यम् अभिप्रेतम् ?
(1) क्रियावाचकत्वेन
(2) गुणवाचकत्वेन
(3) द्रव्यवाचकत्वेन
(4) यदृच्छात्वेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. 'नाज्झलौ' इति सूत्रे आकार प्रश्लेषे किं लिङ्गम् ?
(1) काल समय वेलासु तुमन्
(2) इको यणचि
(3) आद्गुणः
(4) अचो यत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. दीक्षितमते चुलुम्पादीनां धातुत्वं कथं सिद्ध्यति ?
(1) "बहुलमेतन्निदर्शनम्" इति गणसूत्रेण ।
(2) "भूवादयो धातवः" इति सूत्रेण ।
(3) "सनाद्यन्ताः धातवः" इति सूत्रेण ।
(4) न सिद्ध्यति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. 'पूर्वत्रासिद्धम्' इति सूत्रे सिद्धान्तः पक्षः कः ?
(1) शास्त्रासिद्धत्वम्
(2) कार्यासिद्धत्वम्
(3) नियमसूत्रत्वम्
(4) अतिदेशसूत्रत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. भट्टोजिदीक्षितेन प्रौढमनोरमायां तच्छेषपक्ष-पदोपस्थितिपक्षयोः विचारः कुत्र कृतः ?
(1) 'अकृतव्यूहाः पाणिनीयाः' इति परिभाषायाम् ।
(2) अन्योन्याश्रयदोषपरिहारप्रसङ्गे ।
(3) 'इको गुणवृद्धी' इति सूत्रे ।
(4) 'अचः परस्मिन् पूर्वविधौ' इति सूत्रे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. दीक्षितमते 'प्रतिज्ञानुनासिक्याः पाणिनीयाः' इत्यत्र प्रतिज्ञापदे कः प्रत्ययः ?
(1) अङ्
(2) अच्
(3) अण्
(4) अप्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

413677

129. परान्नित्यं बलवदित्यस्योदाहरणं किम् ?
(1) दीव्यति
(2) भवति
(3) क्रीणाति
(4) रुणद्धि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. 'अपवादोऽपि यद्यन्यत्र चरितार्थस्तर्ह्यन्तरङ्गेण बाध्यत एव' – इत्यस्य किमुदाहरणम् नास्ति ?
(1) अयजे इन्द्रम् ।
(2) ग्रामे इह ।
(3) सर्वे इत्थम् ।
(4) उपेन्द्रः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. 'प्रक्षालनाद्धि पंकस्य दूरादस्पर्शनं वरम्' इत्येष न्यायः कां परिभाषाम् परिपोषयति –
(1) 'असिद्धं बहिरङ्गमन्तरङ्गे' इति
(2) 'अकृतव्यूहाः पाणिनीयाः' इति
(3) 'कृताकृतप्रसंगो विधिर्नित्यः' इति
(4) 'परनित्यान्तरंगापवादानामुत्तरोत्तरीयं बलीयः' इति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. प्रत्याहारग्रहणेषु तद्वाच्यवाच्ये निरूढा लक्षणा – इत्यत्र किं ज्ञापकम् ?
(1) एचोऽयवायावः ।
(2) इको यणचि ।
(3) प्रथमयोः पूर्वसवर्णः ।
(4) दीर्घाज्जसि च ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. 'अनचि च' इति सूत्रे 'वा' इति कुतोऽनुवर्तते ?
(1) 'न वेति विभाषा' इति सूत्रात् ।
(2) 'वा पदान्तस्य' इति सूत्रात् ।
(3) 'वा छन्दसि' इति सूत्रात् ।
(4) 'यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा' इति सूत्रात् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. अनेकविधान्तर्येष्वयमान्तर्यप्रकारो नास्ति –
(1) स्थानकृतम् ।
(2) अर्थकृतम् ।
(3) शब्दकृतम् ।
(4) गुणकृतम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. भाष्यसिद्धान्ते अङ्गाधिकारो वर्तते –
(1) आपञ्चमपरिसमाप्तेः ।
(2) आसप्तमपरिसमाप्तेः ।
(3) आषष्ठपरिसमाप्तेः ।
(4) आचतुर्थपरिसमाप्तेः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. 'ग्धिः' इत्यत्र कः प्रत्ययः –
(1) कि
(2) धिच्
(3) क्तिन्
(4) इश्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. याचकानां कल्पतरुः कः ?
(1) नागेशः ।
(2) पतञ्जलिः ।
(3) रामः ।
(4) भर्तृहरिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. 'मुनित्रयं नमस्कृत्य' इत्यत्र द्वितीयाविभक्तिः कथम् ?
(1) कारकविभक्तेर्बलवत्त्वात्
(2) कर्मप्रवचनीयत्वात्
(3) निपातनात्
(4) आर्षत्वात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. 'अइउण्' इत्यादि चतुर्दश सूत्राणि सन्ति –
(1) अधिकारसूत्राणि
(2) विधिसूत्राणि
(3) परिभाषा सूत्राणि
(4) संज्ञा सूत्राणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. 'अचः परस्मिन् पूर्वविधौ' इति सूत्रेऽसङ्गतं कथनं चिनुत –
(1) अल्विध्यर्थमिदम्
(2) आसप्तमसमाप्तेरङ्गाधिकारः
(3) केवलम् अभावातिदेशोऽनेन भवति
(4) भावाभावयोरुभयोऽप्यतिदेशोऽनेन भवति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

413677 413677 413677

141. 'र' प्रत्याहारस्य खण्डनं केन विदुषा कृतम् ?
(1) भट्टोजिदीक्षितेन
(2) नागेशभट्टेन
(3) कौण्डभट्टेन
(4) भर्तृहरिणा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

142. "एषा ह्याचार्यस्य शैली लक्ष्यते" इत्यत्र आचार्यपदेन कोऽभिप्रेतः अस्ति ?
(1) पतञ्जलिः
(2) अनादिपुरुषः
(3) नागेशः
(4) भट्टोजिदीक्षितः
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

143. 'सुप्तिङन्तं पदम्' इति सूत्रे अन्तग्रहणेन किं ज्ञाप्यते ?
(1) 'उभयगतिरिह भवति' इति
(2) 'सञ्ज्ञाविधौ प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणं नास्ति' इति
(3) 'एकान्ताः' इति
(4) 'वर्णाश्रये नास्ति प्रत्ययलक्षणम्' इति
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

144. नागेशरीत्या "भाव्यमानेन सवर्णानां ग्रहणं न" इति परिभाषायां किं ज्ञापकम् ?
(1) 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' इति सूत्रे अण् ग्रहणम् ।
(2) 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' इति सूत्रे अप्रत्ययग्रहणम् ।
(3) 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' इति सूत्रे सवर्णग्रहणम् ।
(4) 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' इति सम्पूर्णमपि सूत्रम् ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

145. 'हलन्त्यम्' इत्यत्र अन्योन्याश्रयदोषवारणार्थं शेखरे कति पूर्वपक्षाः उपस्थापिताः ?
(1) द्वौ ।
(2) त्रयः ।
(3) पञ्च ।
(4) षट् ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

146. नागेशमते 'अवसानसञ्ज्ञा' भवति –
(1) अभावस्य
(2) वर्णाभावस्य
(3) वर्णानामुच्चारणाभावस्य
(4) वर्णानाम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

147. शब्देन्दौ इतरसम्बन्धानवच्छिन्न-विशेष्य-विशेषण-भाव संसर्गः कः ?
(1) अभेदः ।
(2) विशेषणम् ।
(3) विशेष्यः ।
(4) कर्म ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

148. 'प्रातिपदिकार्थे'त्यादि सूत्रं कुत्र प्रवर्तते ?
(1) निपाते
(2) उपसर्गे
(3) क्रियायोगे
(4) समासे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

149. नागेशमते 'स्त्री' इति शब्दः कस्योदाहरणम् ?
(1) प्रातिपदिकार्थमात्रस्य ।
(2) लिङ्गमात्राधिक्यस्य ।
(3) परिमाणमात्रस्य ।
(4) वचनस्य ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

150. "अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः" इत्यत्र कमुद्दिश्य सवर्णबोधकता विधीयते ?
(1) उदितमुद्दिश्य
(2) अणमुद्दिश्य
(3) सवर्णमुद्दिश्य
(4) प्रत्ययमुद्दिश्य.
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

413677

413677

413677